हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 28 जुलाई 2026

12 गो माता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने के लिए छोटी...

12 विद्यार्थियों और उनकी माताओं को वीर माता जीजाबाई के...

खबर संक्षेप

पीजी कक्षाओं में प्रवेश की अंतिम तिथि 7 अगस्त की

लोहारू। राजकीय महाविद्यालयों में पीजी कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को उच्चतर शिक्षा निदेशालय, पंचकूला राहत प्रदान की है और पीजी कक्षाओं में प्रवेश के लिए अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 अगस्त कर दी है। अब इच्छुक विद्यार्थी पीजी कक्षाओं में प्रवेश के लिए 7 अगस्त तक पंजीकरण करा सकेंगे। चौ बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में एम.ए. हिंदी, एम.ए. अंग्रेजी, एम.ए. राजनीति शास्त्र, एम.ए. इतिहास, एम.कॉम. तथा एमएससी. रसायन विज्ञान पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

12 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

चरखी दादरी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव संजीव काजला के मार्गदर्शन में 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। संजीव काजला ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्द पूर्ण माध्यम से निपटने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर 2026 को जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

30 को होगी कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक

चरखी दादरी। जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक वीरवार 30 जुलाई को सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा करेंगे। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि 30 जुलाई को आयोजित होने वाली जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में सहकारिता मंत्री मामलों की सुनवाई करते हुए उनका समाधान करवाएंगे। बैठक में कुल 13 मामले रखे जाएंगे, जिनमें से 2 पुराने व 11 नए मामले हैं।

महीने से नहरी पानी की मांग, समाधान नहीं

बवानीखेड़ा। अखिल भारतीय किसान सभा का धरना नहर में पानी की मांग को लेकर जमालपुर में एक महीने से चल रहा है। धरने की अध्यक्षता रामकुमार यादव और संचालन राजेश कुंगड ने किया। धरने को किसान सभा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह, जिला प्रधान मेवा सिंह आर्य ने संबोधित किया। उन्होंने ने बताया कि सुन्दर ब्रांच का यह सप्ताह 23 जुलाई से 31 जूलाई तक चलना था। दो दिन के इन्तजार के बाद और प्रशासन की लापरवाही को देखते हुए 25 जुलाई को मौहला हैंड से पानी छुड़वाया गया था परन्तु पानी की चोरी के चलते माइनरों की आखरी छोर तक नाम मात्र का पानी पहुंचा है।

गर्मी की छुट्टियों के बाद नहीं पहुंचा स्कूलों में अनाज का स्टॉक

गेहूं के बिना कैसे बने दलिया खिचड़ी के लिए नहीं चावल

स्कूल मुखिया खाने के लिए दुकानदार व पड़ोसी स्कूल से उधार ले रहे गेंहू व चावल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

स्कूलों में दोपहर के वक्त बच्चों को दिए जाने वाले खाने के लिए अधिकांश स्कूलों में गेहूं व चावल का स्टाक जीरों हो गया है। हालांकि स्कूल मुखिया दुकानदारों या किसी पड़ौसी स्कूल से उधार में गेहूं व चावल उधारे लाने पड़ रहे है। स्कूलों में ये दोनों चीजों का स्टॉक खतम होने के बाद दोपहर के वक्त गेहूं से बनने वाला दलिया, मूंग चावल से बनने वाली खिचड़ी नहीं बन पा रही है। हैरानी की बात यह है कि बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां खतम होने के बाद से लेकर अभी तक गेहूं व चावल का स्टॉक नहीं पहुंच पाया है। करीब स्कूल खुले एक माह का समय होने को है। फिलहाल शिक्षकों के सामने अजीब सी स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक स्कूल की प्राइमरी विंग तथा मिडल तक पढने वाले बच्चों को दोपहर के समय स्कूल में ही खाना दिया जाता है। प्रत्येक दिन मीनू के हिसाब से खाना दिया जाता है। गेहूं व चावल के अलावा अन्य सामान से बनने वाला खाना दिया जाता है। सबसे ज्यादा गेहूं व चावल से बनने वाला खाना दिया जाता है। मसलन गेहूं से रोटियां, पराठे, दलिया बनाया जाता है। इसी तरह चावल से पुलाव, राजमा चावल, सफेद छोले के साथ चावल, काले चने के साथ चावल , खिचड़ी आदि बनाई जाती है। पर पिछले एक माह से अधिकांश स्कूलों में गेहूं व चावल का स्टॉक नहीं पहुंच पाया है। कायदे से स्कूलों में गर्मी की छुट्टी खतम होने से पहले इन दोनों चीजों का स्टॉक भेजा जाना चाहिए था। ताकि स्कूल खुलते ही बच्चों को दोपहर के समय भोजन आराम से तैयार करवा कर परोसा जा सके,लेकिन अधिकांश स्कूलों में गेहूं व चावल नहीं है। वे दुकानदारों से उधारे गेहूं व चावल लेकर आ रहे है। दूसरी तरफ अगर किसी दुकानदार ने ये चीजे उधारी नहीं दी तो स्कूल मुखियाओं को इन चीजों के पैसे अपनी जेब से देने पड़ सकते है। फिलहाल स्कूलों में गेहूं व चावल का स्टॉक आने के बाद ही पता चल पाएगा। फिलहाल शिक्षकों के सामने इन दोनों चीजों की कमी की वजह से रोजाना दोपहर के वक्त भोजन तैयार करना किसी चुनौती से कम नहीं है। शिक्षकों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से जल्द ही गेहूं व चावल का स्टॉक भेजने की मांग की है।

भिवानी। स्कूल में दोपहर के वक्त भोजन करते बच्चे। *(फाइल फोटो)*

अधिकारियों ने की मांग

दूसरी तरफ राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चाहर ने बताया कि गेहूं व चावल का स्टॉक न आने से उनको दोपहर के समय भोजन तैयार करने में बड़ी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि इस बारे में शिक्षा अधिकारी से कई बार मांग की जा चुकी है,लेकिन अभी तक उनकी इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। साथ ही उन्होंने बताया कि जल्द ही अधिकारी के साथ उनके संघ की मीटिंग होगी। उस मीटिंग में बड़े जोर व शेर से उठाई जाएगी।

अंडर 17 में धीरज ने स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया गौरव

पांच खिलाड़ियों का अंडर 14 राज्य स्तरीय स्कूली खेलों के लिए चयन

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उर्वशी, दिशिका, दीपांशु और अंश ने गोल्ड पर किया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

स्थानीय ग्रेवाल ताइक्वांडो एकेडमी में आयोजित स्कूल गेम्स जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ट्रिनिटी ताइक्वांडो क्लब, एमसी कॉलोनी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में क्लब के पांच खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन के दम पर राज्य स्तरीय स्कूली खेलों के लिए अपना चयन सुनिश्चित किया। क्लब के कोच कृष्ण कुमार ने बताया कि अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अंडर-14 बालक एवं बालिका वर्ग में उर्वशी पुत्री नरेंद्र भारद्वाज, दिशिका पुत्री जोगिंद्र फोगाट, दीपांशु पुत्र दिनेश शर्मा तथा अंश पुत्र मनबीर दयाल ने स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं रेनू पुत्री धर्मवीर ने रजत पदक जीता, जबकि सनाया पुत्री जितेंद्र पुनिया और आर्यन पुत्र दीपक श्योराण ने कांस्य पदक अपने नाम किया। अंडर-17 बालक वर्ग में धीरज पुत्र धर्मवीर ने स्वर्ण पदक जीतकर क्लब का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता के समापन पर क्लब के निदेशक अक्षय सिंह तथा कोच कृष्ण कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया।

चरखी दादरी। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी कोच व अन्य पदाधिकारियों के साथ।

बवानी खेड़ा में सरकारी अस्पताल के पास फैली बजरी हटाई

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के सरकारी अस्पताल के समीप सड़क पर पिछले दो दिनों से फैली पथरीली बजरी को आखिरकार नगरपालिका प्रशासन ने हटवा ही दिया। स्थानीय लोगों और राहगीरों की शिकायतों के बाद प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला और नगरपालिका कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर सड़क पर बिखरी बजरी को इकट्ठा कर उसका उठान कराया। गौरतलब है कि सड़क पर फैली बजरी के कारण दोपहिया वाहन चालकों सहित अन्य राहगीरों में हर समय सड़क दुर्घटना का डर बना हुआ था। अस्पताल के सामने होने के कारण इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज, आम नागरिक और वाहन गुजरते हैं, जिससे हादसे की आशंका लगातार बनी हुई थी। नगरपालिका की ओर से समय रहते कार्रवाई किए जाने के बाद सड़क को सुरक्षित बना दिया गया है। बजरी हटने से स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने राहत की सांस ली तथा त्वरित कार्रवाई के लिए नगरपालिका कर्मचारियों और समाचार प्रकाशित करने वाले मीडिया का आभार व्यक्त किया।

ट्रेड डील और धान खरीद व्यवस्था पर भड़का भारतीय किसान संघ

तोशाम। भारत-अमेरिका ट्रेड डील, धान की सरकारी खरीद में देरी और फसल बिक्री की जटिल प्रक्रिया को लेकर भारतीय किसान संघ ने केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भारतीय किसान संघ के भिवानी जिला प्रमुख पवन लक्ष्मणपुरा ने सरकार की कृषि नीतियों और खरीद व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए 20 अगस्त को पूरे हरियाणा में ज्ञापन देने और जरूरत पडने पर सडकें जाम करने की चेतावनी दी है। भारतीय किसान संघ के भिवानी जिला प्रमुख पवन लक्ष्मणपुरा ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इस डील को लेकर अभी तक सरकार का कोई लिखित समझौता नहीं हुआ है। अमेरिका की ओर से भारत पर इसे लागू करने का भारी दबाव है, लेकिन भारतीय किसान संघ भी इस डील को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में किसानों का मुख्य आधार खेती ही है और सरकार इस डील के जरिए इसी आधार को तबाह करना चाहती है। भारत एक बहुत बड़ा कृषि बाजार और उपभोक्ता देश है, जिसे किसी विदेशी दबाव के हवाले नहीं किया जा सकता।

विभागाध्यक्ष सरकारी स्कूल गोद लेकर संवारेंगे व्यवस्था

स्कूलों को गोद लेकर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करें अधिकारी: एडीसी दीपक

सरकारी स्कूलों की निगरानी व्यवस्था में सरकार ने किया बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार अब विभिन्न विभागों के अधिकारी सरकारी विद्यालय गोद लेंगे। अधिकारियों द्वारा स्कूलों के सौंदर्यीकरण करने के साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता संवारी जाएगी। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने सोमवार को डीआरडीए सभागार में विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष सरकारी स्कूलों को गोद लेकर वहां की व्यवस्था दुरुस्त करने की जिम्मेदारी संभालें। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों की निगरानी व्यवस्था में बड़ा रचनात्मक और प्रशासनिक बदलाव करते हुए इसकी कमान जिला प्रशासन को सौंपी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की स्वीकृति से हर जिले के एडीसी को उस जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, डिप्टी डीईओ, जिला परियोजना समन्वयक, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और सरकारी स्कूलों के प्राचार्य स्कूलों के संचालन और व्यवस्थाओं से जुड़े मामलों में एडीसी के पर्यवेक्षण में काम करेंगे।

मिड डे मिल की करेंगे नियमित मानिटरिंग

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि प्रत्येक विभागाध्यक्ष अपने नजदीकी विद्यालय अथवा जिला प्रशासन द्वारा आवंटित विद्यालय को गोद लेकर वहां शिक्षा की गुणवत्ता, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं तथा पीएम पोषण (मिड-डे मील) योजना की नियमित मॉनिटरिंग करेंगे। डीईईओ विनय जिंदल द्वारा इसके लिए गूगल फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे सभी विभागाध्यक्ष स्वयं भरेंगे और विद्यालय के निरीक्षण की रिपोर्ट दर्ज करेंगे। इसका उद्देश्य केवल खामियां पकड़ना नहीं, बल्कि स्कूलों की आधारभूत सुविधाओं, शिक्षण व्यवस्था और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को जिला प्रशासन की नियमित निगरानी के दायरे में लाकर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण बच्चों के विकास के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। नई व्यवस्था में सबसे पहले उन स्कूलों पर ध्यान दिया जाएगा जहां भवन जर्जर या असुरक्षित हैं।

परिसर की स्वाच्छता का होगा निरीक्षण

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने बताया कि स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे मील की गुणवत्ता, कच्चे राशन का रखरखाव, पेयजल व्यवस्था, पानी की टंकियों की सफाई, शौचालयों की स्थिति और परिसर की स्वच्छता अब नियमित निरीक्षण किया जाएगा। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और स्कूल प्रबंधन की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति, कक्षा संचालन, अनुशासन और शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की भी नियमित समीक्षा की जाएगी।

चरखी दादरी। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनतीं उपायुक्त मनदीप कौर।

लंबित शिकायतों का जल्द हो समाधान समय पर बनाएं प्रगति रिपोर्ट : डीसी

सही तरीके से दर्ज शिकायतें निवारण प्रणाली को बनाएंगी उत्तरदायी व पारदर्शी

चरखी दादरी। उपायुक्त मनदीप कौर ने समाधान शिविर में शिकायतें सुनते हुए निर्देश दिए कि सभी जिला अधिकारी समाधान शिविरों में प्राप्त जन शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही सभी विभागों के प्रतिनिधि समाधान शिविरों में दर्ज शिकायतों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें तथा उनकी वर्तमान स्थिति से संबंधित जानकारी समयबद्ध रूप से साझा करें। उन्होंने कहा कि आगामी सप्ताह तक लंबे समय से लंबित शिकायतों का संतोषजनक समाधान किया जाए। जनहित सरकार की प्राथमिकता है और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा शिकायतों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन शिकायतों के शीघ्र निस्तारण में ढिलाई किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। सही तरीके से दर्ज और निस्तारित शिकायतें न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा देंगी, बल्कि बार-बार एक ही शिकायत के खुलने की समस्या भी कम होगी। जन शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और पारदर्शी बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा इस दायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविर, सीएम विंडो और एसएमजीटी पोर्टल के माध्यम से दर्ज शिकायतों की निगरानी कर रहे हैं और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला स्तर तक मामलों की समीक्षा की जा रही है।

नया फोन बार-बार खराब होने पर कंपनी को देना होगा रिफंड

■ मुआवजा और अदालती खर्च चुकाने के दिए आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

दादरी जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने उपभोक्ता संरक्षण के तहत एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। आयोग ने एक उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय देते हुए मोबाइल निर्माता कंपनी को निर्देश दिया है कि वह ग्राहक को फोन की पूरी कीमत 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटाए। इसके अतिरिक्त, कंपनी को मानसिक प्रताड़ना और अदालती खर्च के रूप में कुल 10 हजार रुपये का हर्जाना भी देने को कहा गया है। मामले के अनुसार, गांव चरखी निवासी प्रदीप ने 19 नवंबर 2024 को एक दुकान से 13 हजार रुपये में एक मोबाइल हैंडसेट खरीदा था। खरीदारी के समय उन्हें फोन पर एक साल और बैटरी पर छह महीने की वारंटी का आश्वासन दिया गया था। हैंडसेट लेने के तुरंत बाद ही उसमें बैटरी तेजी से खत्म होने की समस्या आने लगी।

आयोग ने मामले में विक्रेता को प्रदान की राहत

आयोग के अध्यक्ष मंजीत सिंह नरयाल ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि मोबाइल निर्माता कंपनी नोटिस मिलने के बाद भी आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुई, जिसके कारण मामला बढ़ा। आयोग ने अपने फैसले में कहा कि एक ग्राहक से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह नए फोन के लिए बार-बार सर्विस सेंटर के चक्कर लगाता रहे। वारंटी अवधि में भी खराबी ठीक न होना हैंडसेट में निर्माण संबंधी खराबी थी। आयोग ने विक्रेता को इस मामले में राहत दी है।

45 दिनों के भीतर करना होगा भुगतान

आयोग ने कंपनी को आदेश दिया है कि वह शिकायत दर्ज करने की तिथि से लेकर वास्तविक भुगतान तक 9 % ब्याज के साथ फोन के 13 हजार रुपये शिकायतकर्ता को वापस करे। इसके साथ ही मानसिक परेशानी के लिए 5,000 रुपये और कानूनी खर्च के रूप में पांच हजार रुपये का भुगतान करे। कंपनी को यह आदेश 45 दिनों में पूरा करना होगा, ऐसा न करने पर ब्याज दर बढ़कर 12 प्रतिशत सालाना हो जाएगी। वहीं, उपभोक्ता को भुगतान मिलते ही खराब हैंडसेट कंपनी को वापस सौंपना होगा।

किसानों ने धोखाधड़ी का आरोप लगा किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

डेढ़ से दो करोड़ प्रति एकड़ कटौती किसानों के साथ अन्याय : कुहाड़

400 केवी पावर ग्रिड हाई -टेंशन लाइन निर्माण को लेकर किसानों में भारी रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

झुप्पा से सोनीपत तक बिछाई जा रही 400 केवी पावर ग्रिड हाई-टेंशन लाइन के निर्माण को लेकर भिवानी जिले के तोशाम क्षेत्र के किसानों में भारी रोष व्याप्त है। किसानों ने जिला प्रशासन और पावर ग्रिड अधिकारियों पर मुआवजे की दरों में भारी कटौती कर धोखाधड़ी करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में ग्राम स्वराज किसान मोर्चा, किसान संघर्ष समिति भिवानी एवं क्षेत्र के प्रभावित किसानों ने मंगलवार को तोशाम में प्रदर्शन करते हुए एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। वहीं इस मुद्दे पर भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु कुहाड़ ने किसानों की मांगों का पुरजोर समर्थन करते हुए प्रशासन और सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया है। प्रदर्शन की अध्यक्षता ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने की तथा संचालन जंगवीर अलकपुरा बायान ने किया। वही दूसरी तरफ तोशाम में एसडीएम कार्यालय के बाहर जारी धरना 42वें दिन भी जारी रहा। ज्ञापन के माध्यम से तोशाम क्षेत्र के 6 प्रभावित गांवों तोशाम, बागानवाला, अलखपुरा, भुरटाना, सागबन और मिरान में पावर ग्रिड अधिकारियों और किसानों की मौजूदगी में एसडीएम तोशाम द्वारा ड्रॉ के जरिए जमीन के रेट तय किए गए थे। हालांकि ये दरें बाजार भाव से कम थीं फिर भी देश के विकास में बाधा न बनते हुए किसानों ने इन्हें स्वीकार कर लिया था तथा 6 मई 2026 को मुआवजे की दरें तय की गई थीं। किसानों का आरोप है कि 8 मई 2026 को एडीसी भिवानी ने डीसी भिवानी के आदेशों का हवाला देते हुए बिना किसी ठोस कारण के तय रेटों को निरस्त कर दिया। इसके बाद नई दरों में प्रति एकड़ 1.5 करोड़ से 2 करोड़ रुपये तक की भारी कटौती कर दी गई।

तोशाम। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

निर्माण कार्य ठप करने की चेतावनी

भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु कुहाड़ ने कहा कि भिवानी के किसानों के साथ पावर ग्रिड लाइन के नाम पर किया जा रहा अन्याय किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। जब एसडीएम और पावर ग्रिड के अधिकारियों की मौजूदगी में एक बार दरें तय हो चुकी थीं, तो किस नियम के तहत महज दो दिनों के रेटों को रद्द कर दिया। किसानों से डेढ़ से दो करोड़ रुपये प्रति एकड़ की कटौती करना सीधे तौर पर उनके पेट पर लात मारने जैसा है। प्रभावित गांवों के किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनके पहले तय किए गए रेट बहाल नहीं किए गए और हिसार व हृष्टक्र के मानकों के आधार पर मुआवजा नहीं दिया गया, तो वे पावर ग्रिड लाइन के निर्माण कार्य को पूरी तरह ठप कर देंगे। मौके पर कमल प्रधान, रामवीर फौजी, दयानंद फौजी, कमल झांवर, धर्मपाल बारवास, मेवा सिंह, आजाद भुगलाइ, चांदवीर फौजी आदि रहे।

शिक्षा बोर्ड के कर्मचारियों ने द्वार सभा कर प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा

एचटेट परीक्षा-2025 से निष्पक्षता से जांच करे बोर्ड प्रशासन व प्रदेश सरकार : सत्यवीर स्वामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिसर में कर्मचारी संगठन संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर अपनी मांगों और बोर्ड प्रशासन के कथित अड़ियल रवैये को लेकर बोर्ड के सभी कर्मचारी एकजुट हो गए हैं। सोमवार को भोजनावकाश (लंच टाइम) के दौरान स्थानीय शिक्षा बोर्ड परिसर में कर्मचारियों ने एकत्रित होकर एक विशाल द्वार सभा का आयोजन किया और अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। द्वार सभा की अध्यक्षता संगठन के प्रधान सत्यवीर स्वामी ने की, जबकि मंच का सफल संचालन महासचिव सोमबीर पूनिया द्वारा किया गया। मंच संचालन करते हुए महासचिव सोमबीर पूनिया ने बोर्ड प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान प्रशासन द्वारा लगातार मनमानी और तानाशाही बरती जा रही है। कुछ नकारात्मक प्रवृत्ति के लोग प्रशासन के नजदीक रहकर पूरे बोर्ड का माहौल खराब कर रहे हैं और अनावश्यक बदलावों के नाम पर कर्मचारियों को बेवजह परेशान किया जा रहा है, जिसे अब और सहन नहीं किया जाएगा। वहीं, राज्य सचिव अशोक पिलानिया ने कहा कि प्रशासन कर्मचारियों के बीच भय का माहौल पैदा करना चाहता है। लेकिन संगठन और बोर्ड का एक-एक कर्मचारी प्रशासन के इन मंसूबों को भली-भांति भांप चुका है और अब यह तानाशाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भिवानी। शिक्षा बोर्ड परिसर में आयोजित द्वार सभा में नारेबाजी करते कर्मचारी।

हरिभूमि
सहेली

स्पेशल
फ्रेंडशिप-डे, 2 अगस्त

साझी खिलखिलाहटों का प्यारा रिश्ता

जिंदगी की डगर में अगर सहेलियां साथ हों तो रास्ता आसान हो जाता है। लड़खड़ाने पर वे हमें संभालती हैं, भटकने पर सही राह दिखाती हैं। ये सहेलियां ही होती हैं, जिनसे हर बात बेहिचक साझा की जा सकती है, सलाह ली जा सकती है। हमें असली खुशी सहेलियों के बीच ही मिलती है। सहेलियां हैं तो जिंदगी में बहार है।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

महिलाओं के लिए सहेलियों से जुड़ा भाव-चाव बहुत आत्मीय होता है। ऐसा स्नेहपूर्ण संबंध, जो सुख-दुःख में साथ देने वाला ही नहीं, बिना औपचारिकता के मन की सुनने का कोना भी बनता है। जो अपनों से भी नहीं कहा जाता, वह सखियों से कहा जाता है। पीड़ा की जो पोटली सगे-संबंधियों के समक्ष नहीं खोली जाती, वह किसी सहेली के आगे सहजता से खुल जाती है। सुखद यह भी है, कभी सहेलियों से सही सलाह मिलती है तो कभी भावनात्मक सहारा, दोनों ही बातें मानवीय जीवन को मजबूती देने वाली बुनियाद बनती हैं।

हर सुख-दुख सखियों के साथ साझा

स्त्रियां मायका हो या ससुराल, वे मन की बात खुलकर नहीं कह पातीं। एक तयशुदा शिष्टाचार कुछ कहने ही नहीं देता। कह दें तो ग्लानि और अपराधबोध आ घेरता है। उनकी क्या छवि बनेगी। यह सोचकर ही पछतावा होने लगता है। फ्रेंड्स के सामने महिलाओं को इस अनकहे से प्रोटोकॉल से नहीं जूझना पड़ता। तभी तो सखियों के सामने दुःख आंखों से बह निकलता है। सुख की मुस्कुराहटें सहजता से साझी हंसी बन जाती हैं। बिना किसी मलाल के सच्ची भावनाएं साझा करने से ही समय के साथ यह रिश्ता और गहरा होता है। आपसी विश्वास बढ़ता है। असल में देखा जाए तो भावनाओं का खुला आदान-प्रदान ही मित्रता की सच्ची पूंजी है। महिलाओं के लिए तो फ्रेंडशिप का यह संचित धन और भी महत्वपूर्ण है। यह स्त्रीमन की संवेदनाओं को साझा करने का ऐसा सुरक्षित कोना है, जहां बिना अपराधबोध के अनुभूतियों का सच बताया जा सके।

संकट से जूझने की शक्ति

हर संकट में साथ देने वाली सहेलियां टूटते-बिखरते मन को संभाल लेती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में पाया कि जिन महिलाओं को तनावपूर्ण हालातों में सखियों का साथ मिलता है, उनका जीवन अकेले चुनौतियों से जूझने वाली महिलाओं की तुलना लंबा होता है। सखियों का साथ हर परिस्थिति में मनोबल मजबूत करता है। देखने में आता है कि घर-परिवार में संकट के समय भी महिलाओं को आरोप-प्रत्यारोप झेलने पड़ते हैं। किसी सुखद अवसर पर भी मीनमेख निकालने की प्रवृत्ति दिखती है। कुछ नया करने पर अजीब-सी सलाहें दी जाती हैं, सफलता को लेकर आशंका जताई जाती है। जबकि सहेलियां इमोशनल फ्रंट पर हालातों को समझती हैं। सखियां बस चुपचाप साथ देती हैं। हर हाल में अपनी मौजूदगी का एहसास कराती हैं। साइकोसोमेटिक मेडिसिन मैगजीन में छपे अध्ययन के मुताबिक स्त्रियां बिना कोई सलाह दिए एक-दूसरे की बातें सुनती हैं। सकारात्मक भावों से भरा यह व्यवहार तकलीफदेह हालातों से जूझ रही स्त्री को बहुत संबल देता है। समझना मुश्किल नहीं, जब कोई महिला मित्र यूं साथ देती है तो जिंदगी के हर पहलू पर सकारात्मक असर पड़ता है।

जिंदादिल जिंदगी की संगी-सखियों के साथ अपनी कमजोरियां स्वीकार करने में भी संकोच नहीं होता। सामाजिक-पारिवारिक जीवन में बहुत सी भूमिकाएं निभाती स्त्रियों को 'जैसी हूं वैसी हूं और खुश हूं' के भाव को जीने का मौका केवल सहेलियों के साथ ही मिलता है। यह स्वीकार्यता मनोभावों को जीवंत बनाती है। बिना किसी दबाव के सहज रूप से एक-दूसरे की परवाह करने के चलते ही इस रिश्ते की बॉन्डिंग मजबूत होती है। इसी कनेक्ट से बहुत सकारात्मक और सुरक्षित महसूस होता है। हर परिस्थिति में खिलखिलाहट बिखेरने वाली सहेलियां एक-दूसरे की सबसे बड़ी चीयरलीडर कही जाती हैं। हंसी-खुशी और ऊर्जा से भरा सखियों का साथ जीवन को नीरस होने से बचाता है। हालिया बरसों में महिलाएं अब सहेलियों के साथ ग्रुप ट्रैवल भी करने लगी हैं। अपना शहर हो या कोई दूर-दराज का पर्यटन स्थल, ऐसी आउटिंग उन्हें हौसला देती है। सखियों के साथ के भरोसे पर ही महिलाएं आम जीवन की जद्दोजहद से दूर यूं जिंदादिली के साथ जीवन जीने की राह चुनने लगी हैं।

आत्म-सम्मान का आधार

सहेलियों का साथ केवल हंसी-मजाक या घूमने-फिरने तक ही सीमित नहीं होता। एक-दूसरे के मन को मजबूती देने वाली सखियां सही मायने में स्त्री सशक्तिकरण को भी बल देती हैं। डर या आशंका के बजाय आत्मसम्मान के भाव को पोसती हैं। गलती होने पर फिर उठ खड़े होने के लिए सहारा देने को हाथ आगे बढ़ाती हैं। सहेली की सफलता पर सच्ची प्रशंसक बनती हैं। यह जुड़ाव सचमुच असाधारण है, जो स्त्रियों को अपने अस्तित्व से प्रेम करना सिखाता है। अपने भीतर छिपी योग्यता को निखारने की राह सुझाता है। बिना किसी स्वार्थ के एक-दूसरे का समर्थन करते हुए खुद अपने जीवन-अपने सपनों का मोल समझने की भावना को पोसता है। सबसे अहम यह है कि ऐसी हर बात स्त्रियों के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास का पक्का आधार बनाती है। उनके जीवन में खुशियां बिखेरती हैं। ✿

महिलाओं की फ्रेंडशिप को व्हाट्सएप ग्रुप दे रहा नई पहचान

तकनीक का इस्तेमाल केवल जीवनशैली को ही नहीं हमारे आपसी संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है, उसे नई दिशा दे रहा है। व्हाट्सएप ग्रुप ऐसी ही सुविधा है, जो महिलाओं की दोस्ती को प्रगाढ़ बना रही है, उसे नए आयाम दे रही है।

टेक्नो लाइफ
नम्रता नदीम

महिलाओं की फ्रेंडशिप को एक समय तक गली-मुहल्ले की बैठकों, रिश्तेदारों से मिलने या किट्टी पार्टियों-त्योहारों पर होने वाले मेल-मिलाप तक ही सीमित माना जाता था। लेकिन अब सिनेरियो बिल्कुल बदल गया है। आज के दौर में टीनएज, यंगएज से लेकर मिडएज तक की महिलाओं की आपसी दोस्ती नए रूप में सामने आ रही है। इसे आगे बढ़ाने और हाईटेक बनाने में व्हाट्सएप ग्रुप का बड़ा और महत्वपूर्ण योगदान है।

शेयरिंग का नया अंदाज: व्हाट्सएप ग्रुप में महिलाएं आपस में भावनात्मक अनुभवों को साझा करती हैं। एक-दूसरे से सलाह लेती-देती हैं। अपनी रेसिपी दूसरों को बताती हैं और दूसरों द्वारा बताई गई रेसिपी को आजमाने की कोशिश करती हैं। रेसिपी बनाने या अपने किसी नए अनुभव को साझा भी करती हैं। अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियां, स्वास्थ्य संबंधी जानकरियां, ये सब व्हाट्सएप ग्रुप में उनके द्वारा खूब शेयर किए जाते हैं। कहने का मतलब है कि व्हाट्सएप ग्रुप ने हर उम्र की महिलाओं के लिए एक नई दुनिया रच दी है।

बदला दोस्ती का स्वरूप: आज के डिजिटल दौर में दोस्ती केवल मिलने-जुलने तक सीमित नहीं होती है। सोशल मीडिया, उसमें भी सबसे ज्यादा व्हाट्सएप ग्रुप में सुबह की शुभकामना से लेकर रात की बातचीत तक दिन भर कोई न कोई इंगेजमेंट बनी ही रहती है। फैमिली, ओल्ड फ्रेंड्स, कॉलोनी या सोसाइटी, ऑफिस कुलीग्स, योगा क्लासमेट्स, किट्टी ग्रुप या बुक क्लब, अपनी सहूलियत के हिसाब से महिलाएं भी अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप में एक्टिव रहती हैं। इन ग्रुप्स ने महिलाओं की दोस्ती का दायरा ही नहीं बढ़ाया बल्कि उनके स्वरूप को भी बदला है।

कम हुआ है अकेलापन: संबंध विशेषज्ञों के मुताबिक व्हाट्सएप ग्रुप में डिजिटल संवाद काफी हद तक महिलाओं में अकेलेपन की भावना को कम करने में अहम भूमिका निभा रहा है। हालांकि देखने में यह भी आया है कि डिजिटल इंगेजमेंट ने एक-दूसरे से मिलने की संभावना को कम किया है। लेकिन इसके जरिए अपनी तरह की सोच-समझ रखने वाली महिलाओं के बीच जरूर महिलाओं की पहुंच बढ़ी है। क्योंकि व्हाट्सएप ग्रुप्स में लगभग सभी सदस्य एक-दूसरे को जानने वाले दोस्त होते हैं, इसलिए यह पूरी तरह से अभासी या अवास्तविक नहीं है।

सोशल लाइफ का महत्वपूर्ण हिस्सा: व्हाट्सएप ग्रुप्स की सबसे बड़ी उपयोगिता तो यह है कि इसके जरिए अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद, महिलाएं अपने दोस्तों से संपर्क बनाए रख पाती हैं। महिलाएं अपने ग्रुप से जुड़ी दूसरी महिलाओं को अपना नजदीकी ही समझती हैं। इसलिए छोटी से छोटी सूचनाएं भी साझा करती हैं और अपने लिए तथा दूसरों के लिए एक ऐसा सपोर्ट सिस्टम विकसित करती हैं, जिससे बीमारी, तनाव, बच्चों की पढ़ाई, रिश्तों की समस्याएं या किसी खास उपलब्धि की खुशी को आपस में बांटने का भरपूर सुख हासिल कर पाती हैं। महिलाओं की सोशल लाइफ के लिए व्हाट्सएप ग्रुप की फ्रेंडशिप महत्वपूर्ण रोल निभा रहे हैं।

तीज-त्योहारों का सेलिब्रेशन: त्योहारों और विशेष अवसरों में तो व्हाट्सएप ग्रुप की भूमिका और भी बढ़ जाती है। करवा चौथ, तीज जैसे त्योहारों में महिलाएं अपनी सखी-सहेलियों को डिजिटल शुभकामनाएं देने के साथ-साथ आपस में मिलकर सजावट करके, फैशन, मेहंदी डिजाइन और रेसिपी को एक-दूसरे से साझा करके सेलिब्रेशन का आनंद उठाती हैं। इससे आपस में केवल दोस्ती ही मजबूत नहीं होती बल्कि इससे सांस्कृतिक जुड़ाव भी मजबूत होता है। ✿

आने वाले फ्रेंडशिप डे के मौके पर आप जरूर अपनी बेस्ट फ्रेंड को प्यारा सा, कोई यूनीक गिफ्ट देना चाहेंगी। इसीलिए हम यहां पर आपको कुछ डिफरेंट टाइप के गिफ्ट आइडियाज सजेस्ट कर रहे हैं। इनमें से कोई भी आप सेलेक्ट कर सकती हैं।

अपनी बेस्ट फ्रेंड के लिए लवली गिफ्ट आइडियाज

सजेशन
प्रतिभा अग्निहोत्री

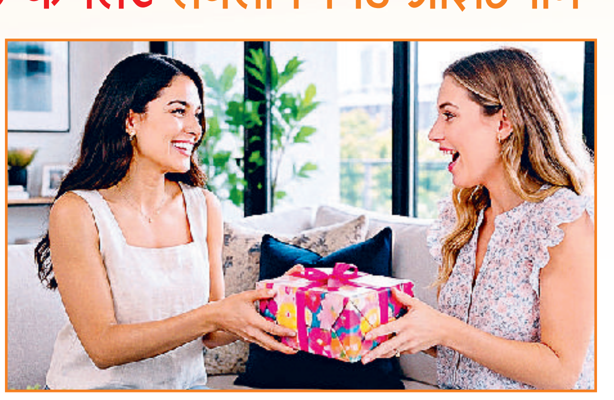

बहुत प्यारा और सबसे अलग होता है दोस्ती का रिश्ता। इस खूबसूरत रिश्ते को सेलिब्रेट करने के लिए आप जरूर फ्रेंडशिप डे पर अपनी दोस्त को यूनीक गिफ्ट देकर स्पेशल फील कराना चाहेंगी। अगर आप डिसाइड नहीं कर पा रही हैं कि अपनी बेस्ट फ्रेंड को क्या गिफ्ट दें तो आपकी हेल्प के लिए दे रहे हैं कुछ गिफ्टिंग आइडियाज-

फीलिंग्स से भरे गिफ्ट्स: खुद के साथ अपनी दोस्त की अब तक की जर्नी की खूबसूरत यादों के सुंदर-सुंदर फोटो का कोलाज बनवाकर उसको गिफ्ट कर सकती हैं। हाथ से बनी स्क्रैप बुक भी गिफ्ट करने के लिए एक बहुत बेहतरीन आइडिया है। इसके अलावा आप अपने दोस्तों के साथ की फोटोज को कस्टमाइज करके कुशन कवर, की-चेन, ब्रेसलेट, बेडशीट, कप और टी-शर्ट भी गिफ्ट कर सकतीं हैं। कस्टमाइज करवाते समय आप अपनी फोटो के साथ किसी यादगार पल की कोई खास डेट भी लिखवा सकतीं हैं, जिससे आप दोनों की यादें तरोताजा हो जाएंगी। आप अपनी दोस्त को एक खूबसूरत से पेज पर पत्र लिखकर दे सकती हैं, जिसमें आप उनके प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के साथ-साथ वे आपके लिए क्या महत्व रखतीं हैं इसे भी लिखें। यह तोहफा बाजार से खरीदे गए तोहफों की अपेक्षा उनके लिए बहुत कीमती होगा।

यूजफुल गिफ्ट्स: अगर आपके दोस्त को लिखने, नोट्स बनाने का शौक है तो एक बहुत अच्छी क्वालिटी की लेदर डायरी या फिर स्मार्ट नोटबुक भी अच्छा विकल्प हो सकता है। पढ़ने की शौकीन दोस्त के लिए विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के सब्सक्रिप्शन भी उपहार में दिए जा सकते हैं, इससे वे एक दिन ही नहीं पूरे वर्ष अपनी दोस्ती को याद करती रहेंगी। प्रीमियम पेन सेट या उनकी पसंद की कुछ बुक्स भी गिफ्ट कर सकती हैं। यदि वह मूवीज की शौकीन हैं तो आप उन्हें डिजिटल प्लेटफार्म सब्सक्रिप्शन भी उपहार में दे सकतीं हैं।

डेकोरेटिव गिफ्ट्स: एगलोनिमा, एरिका पाम, क्रोटन जैसे पौधों को बहुत सुंदर से गमले में रखकर गिफ्ट दे सकती हैं। इस डिफरेंट गिफ्ट से उनका मन खुश हो जाएगा। पौधे घर में पॉजिटिविटी तो लाते ही हैं, साथ ही घर की खूबसूरती में भी चार चांद लगा देते हैं। टी कॉफी गिफ्ट हैंपर, सेंटेड कैंडल्स भी गिफ्ट करने के लिए बहुत अच्छे विकल्प हैं। यूं तो इस अवसर पर बाजार में कई तरह के फ्रेंडशिप बैंड्स भी मिलते हैं पर आप अपने हाथ से बैंगल्स पर रेशमी धागा लपेटकर या फिर क्रोशिए और सितारों से सजाकर फ्रेंडशिप बैंड बनाकर अपनी फ्रेंड को गिफ्ट कर सकती हैं, यकीन मानिए उनका दिल खुश हो जाएगा।

चॉकलेट गिफ्ट हैंपर या अपनी फ्रेंड की फेवरेट डिश के ऑनलाइन गिफ्ट से आप उन्हें सरप्राइज दे सकतीं हैं।

रखें ध्यान: अपनी फ्रेंड के लिए गिफ्ट लेते समय दोस्त की पसंद के साथ कुछ बातों का ध्यान रखना अत्यधिक आवश्यक है।

- गिफ्ट को बहुत सुंदर से गिफ्ट पेपर में रैप करके गिफ्ट करें इससे गिफ्ट की खूबसूरती और अधिक बढ़ जाती है।
- गिफ्ट चुनते समय अपनी दोस्त की भावनाओं का ध्यान रखें।
- यदि आप ऑनलाइन कोई उपहार मंगवा रही हैं तो उसका टैग न निकालें ताकि यदि वे एक्सचेंज करना चाहें तो आराम से किया जा सके। ✿

स्किन केयर
ललिता गोयल

ऑयली स्किन के लिए अपनाएं ईजी होम रेमिडीज

मानसून के मौसम के साथ आने वाली उमस के कारण स्किन ऑयली हो जाती है, जिससे चेहरे पर बार-बार पसीना और गंदगी जमा होने लगती है। इसका नतीजा पिंपल्स, डल स्किन, खुजली जैसे समस्याएं होने लगती हैं और चेहरे का नेचुरल ग्लो कही खो जाता है। ऐसे में समझ नहीं आता कि चेहरे को ऑयल-फ्री और ग्लोइंग रखने के लिए क्या किया जाए? यहां कुछ ऐसे असरदार तरीकों के बारे में जानते हैं, जिनकी मदद से स्किन को मानसून में भी फ्रेश और ग्लोइंग रखा जा सकता है।

कच्चा दूध: मानसून की चिपचिपाहट और टैनिंग से निपटने के लिए कच्चा दूध सबसे सुरक्षित घरेलू उपाय है। हाथों और चेहरे को अच्छी तरह साफ करके ताजे कच्चे दूध में एक साफ कॉटन पैड को डुबोएं और हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में चेहरे की मसाज करते हुए लगाएं। इसे 10 से 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद रेगुलर मॉयश्चराइजर लगा लें। इससे त्वचा को गहराई से नमी मिलती है और त्वचा की रंगत भी साफ होती है।

खीरे का रस: मानसून में खीरे का रस स्किन पर लगाने से न सिर्फ स्किन ठंडी और हाइड्रेट रहती है बल्कि यह एक्ने और पिंपल्स की समस्या को भी कम करता है। दिन में एक बार खीरे का रस कॉटन की मदद से चेहरे पर लगाएं और उसे 10 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।

एलोवेरा जैल: एलोवेरा जैल के कूलिंग और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण स्किन को हाइड्रेट करने और सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

मुल्तानी मिट्टी: मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा-सा गुलाब जल मिलाकर हफ्ते में दो बार चेहरे पर लगाने से स्किन पर जमी गंदगी साफ होती है। यह स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को सोख कर स्किन को टाइट और ब्राइट करता है।

पपीता: मानसून में पपीते का पेस्ट चेहरे पर लगाने से स्किन की डेड सेल्स हटती है, हाइड्रेशन भी बना रहता है और रंगत भी निखरती है।

रखें ध्यान: इन बातों का भी ध्यान रखें-

- मानसून में भी चेहरे पर हल्का मॉयश्चराइजर और जैल बेस्ड क्रीम का इस्तेमाल करें ताकि स्किन हाइड्रेट रहे।
- चेहरा धोने के बाद एक कॉटन पैड में थोड़ा-सा गुलाब जल लें और हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा के पीएच लेवल को बैलेंस करता है। ✿

(ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस
विनीता

स्पेशल: वर्ल्ड ब्रेस्ट फीडिंग वीक, 1-7 अगस्त

मां का दूध नवजात शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार होता है। लैक्टेशन पीरियड यानी ब्रेस्ट फीड कराने की अवधि मां और बच्चे दोनों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। इस दौरान कैसी हो मांओं की डाइट, यह जानना बहुत जरूरी है।

फीडिंग पीरियड में मांएं डाइट का रखें पूरा ध्यान

जन्म के बाद शिशु को मां के दूध से पर्याप्त पोषण मिले, इसके लिए यह बहुत जरूरी है कि मां खुद भी स्वस्थ रहें और अपनी डाइट पर पूरा ध्यान दें। जब मां का शरीर स्वस्थ रहता है तो इससे उसके ब्रेस्ट में पर्याप्त मात्रा में दूध की मात्रा भी बढ़ती है और इससे शिशु का विकास सही ढंग से होता है। शिशु को फीड कराने वाली महिलाओं को प्रतिदिन 5000 अतिरिक्त कैलोरी की जरूरत होती है। आमतौर पर इस दौरान उनका वजन थोड़ा बढ़ जाता है, लेकिन यह सामान्य है। इस दौरान अच्छी सेहत और फिटनेस के लिए संतुलित आहार अपनाएं, नियमित वॉक करें और एक्सपर्ट की सलाह पर हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी करें।

क्या खाएं: फीड कराने वाली मांओं को अपनी डाइट में इन्हें शामिल करना चाहिए।

- अपनी डाइट में तरल पदार्थों की मात्रा बढ़ाएं। रोज लगभग 8-10 ग्लास पानी, शिकंजी, सूप और छाछ आदि पिएं।
- अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ाएं। इसके लिए हर तरह की दालें, पनीर, सोयाबीन स्प्राउट्स, नट्स जैसे-पिस्ता, अखरोट और बादाम आदि का संतुलित मात्रा में सेवन करें। अगर नॉन-वेजिटेरियन हैं तो अंडा, चिकन और ताजे पानी की मछली का सेवन करें।

- लैक्टेशन पीरियड के दौरान इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए विटमिन-सी युक्त फलों का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। इसके लिए आप संतरा, सेब, आंवला, नीबू के अलावा सभी मौसमी फलों का सेवन कर सकती हैं।
- डिलीवरी के बाद पहले महीने में महिलाओं को ज्यादा कैलोरी की जरूरत होती है, जिसकी पूर्ति के लिए अधिकतर परिवारों में पारंपरिक रूप से नई मां के लिए घर पर हल्दी-सोंठ का हलवा और ड्राई फ्रूट्स मिलाकर पंजीरी के लड्डू बनाए-खिलाए जाते हैं। हल्दी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व मां को इंफेक्शन से बचाने में मददगार साबित होते हैं। अन्य पौष्टिक तत्वों की वजह से रिकवरी तेजी से होती है और दूध की मात्रा भी बढ़ती है।

क्या न खाएं: लैक्टेशन पीरियड में मांओं को कुछ फूड्स से परहेज रखना चाहिए।

- ज्यादा मैदा, घी-तेल और मिर्च-मसाले से दूर रहें।
- डिब्बाबंद प्रोसेस्ड फूड मां और शिशु दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं।
- खुले में बिकने वाली चाट-पकौड़ी, समोसा, चाउमीन, मोमोज जैसी चीजों से स्टमक इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।
- फ्रूट्स जूस न पिएं क्योंकि इससे फलों में मौजूद फाइबर नष्ट हो जाते हैं, जो पाचनतंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं, इसलिए बेहतर यही होगा जूस लेने के बजाय फलों का सेवन करें।
- अगर प्रेग्नेंसी के दौरान डायबिटीज रही हो, तो चीनी के बजाय गुड़ से बनी चीजों का सेवन करें और खानपान के मामले में डॉक्टर के सभी निर्देशों का पालन करें। ✿

(मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम की सीनियर डाइटीशियन डॉ. संध्या पांडे से बातचीत पर आधारित)

आपसी समन्वय के साथ कार्य करके खेल प्रतियोगिताओं को बनाए सफल: डीईओ

■ खेल प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन को लेकर कन्वीनरों की आवश्यक बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन को लेकर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भिवानी में सभी 31 खेलों के कन्वीनरों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सभी पीटीआई, डीपीई, शारीरिक शिक्षा प्रवक्ताओं तथा खेलों से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि वे प्रतियोगिताओं का संचालन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ सुनिश्चित करें। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी प्रतियोगिताएं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नियमों के अनुसार संपन्न करवाई जाएं। बैठक में बताया गया कि लड़कों की सभी आयु वर्ग की खेल प्रतियोगिता 29 से 30 जुलाई को एवं लड़कियों की सभी आयु वर्ग की खेल प्रतियोगिता 31 जुलाई एवं 1 अगस्त को आयोजित करवाई जाएगी, प्रतियोगिताओं में जिला भिवानी के सातों खंडों के विजेता खिलाड़ी भाग लेंगे। खेलों के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला भिवानी के सभी पीटीआई, डीपीई, शारीरिक शिक्षा प्रवक्ताओं एवं अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। प्रतियोगिता स्थलों पर जिला प्रशासन का पूर्ण सहयोग रहेगा तथा समय-समय पर उच्च अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

भिवानी। कार्यक्रम को संबोधित करती डॉ निर्मल दहिया। फोटो : हरिभूमि

इस अवसर पर एईओ प्रीतपाल सिंह एवं एईईओ राजेंद्र सिंह सत्यवान कोच ने सभी कन्वीनरों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा आवश्यकता होने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाए, ताकि उसका समय रहते समाधान किया जा सके।

बैठक में प्रतियोगिताओं के सुचारु संचालन के लिए दो नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए। प्रथम नोडल अधिकारी को अंडर-11 एवं अंडर-14 आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं के रिकॉर्ड एवं दस्तावेजों की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि दूसरे नोडल अधिकारी को अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं के सभी आवश्यक अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं का दायित्व सौंपा गया।

ये रहे मौजूद

जोगेन्द्र सिंह, रामपाल पीटीआई, सोमदत्त शर्मा, सुखदेव डीपीई, मोतीलाल जांगड़ा,अनिल सांगवान, कुसुम प्रवक्ता,अनीता खेड़ा, सरिता डीपीई, प्रमिला डीपीई, सुशीला देवी, आशा डीपीई,श्री पाल, पवन फोगाट, राजेश सिवाच,सतपाल सिंह, बबीता डीपीई, सुरेंद्र सिंह, सतेंद्र पीटीआई, आदि मौजूद थे।

प्रतियोगिताओं को सफल, निष्पक्ष एवं अनुशासित ढंग से संपन्न कराएं

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं को सफल, निष्पक्ष एवं अनुशासित ढंग से संपन्न कराएं, ताकि खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। मंच का संचालन बलवान डीपीई द्वारा किया गया।

जिला स्तर के चयनित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि प्रत्येक खेल की जिला भिवानी के सभी सातों ब्लाकों के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के खिलाड़ी भाग लेंगे, जिला प्रतियोगिता के चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा, जिला स्तर पर प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम के खिलाड़ियों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

स्वर्गीय तारावंती की 35वीं पुण्यतिथि पर लगाए पैंतीस फलदार पौधे

पौधे आने वाले वर्षों में लोगों को छाया स्वच्छ हवा व फल करेंगे प्रदान : नरेश

भिवानी। तारावंती की पुण्यतिथि पर फलदार व छायादार पौधे वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

श्री कृष्ण कृपा जिओ गीता परिवार एवं नव दुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एमसी कॉलोनी पार्क एवं एमसी कॉलोनी में श्री कृष्ण कृपा जिओ गीता परिवार के जिला अध्यक्ष नरेश आहूजा की माता स्वर्गीय तारावंती की 35वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी पावन स्मृति में 35 फलदार एवं छायादार पौधों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी समाजसेवियों एवं नागरिकों ने पर्यावरण को स्वच्छ, शुद्ध एवं हराभरा बनाने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आज बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते हरित क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति का यह नैतिक दायित्व है कि वह अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों जन्मदिन, पुण्यतिथि, विवाह वर्षगांठ अथवा अन्य सामाजिक आयोजनों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि एक पेड़ अपने पूरे जीवनकाल में हजारों लोगों को स्वच्छ ऑक्सीजन, छाया और पर्यावरणीय संतुलन प्रदान करता है। इसलिए केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनका संरक्षण और नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा जिओ गीता परिवार के जिला अध्यक्ष नरेश आहूजा ने अपनी माता स्व. तारावंती को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा सदैव समाज सेवा, मानवीय मूल्यों और प्रकृति संरक्षण की रही है। उनकी स्मृति में लगाए गए ये पौधे आने वाले वर्षों में लोगों को छाया, स्वच्छ हवा और फल प्रदान करेंगे जो उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक आत्म प्रकाश टुटेजा, महासचिव विनोद छाबड़ा, सचिव एवं पर्यावरण रक्षक जेई बिजेश जावला, श्याम जुनेजा, नव दुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी सहित अनेक समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प लिया कि लगाए गए सभी 35 पौधों की नियमित देखभाल की जाएगी और भविष्य में भी अधिक से अधिक पौधारोपण कर भिवानी को स्वच्छ, हराभरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के अभियान को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

हरियाली से ही पर्यावरण का संतुलन संभव:मड्डू

भिवानी। गांव तिगड़ाना में बाबा परमहंस सेवादल ने ग्रामीणों के सहयोग से पौधारोपण अभियान चलाया। इसी क्रम में तिगड़ाना स्थित बाबा परमहंस जन्म स्थल मंदिर परिसर में बाबा परमहंस सेवादल के अध्यक्ष परमजीत सिंह मड्डू की अगुवाई में पौधे रोपित किए। इस दौरान बाबा परमहंस सेवादल के सदस्यों ने गांव के सार्वजनिक जगहों पर करीब 500 पौधे लगाने का संकल्प लिया। इस मौके पर बाबा परमहंस सेवादल के अध्यक्ष एवं बाबा परमहंस गौशाला (तिगड़ाना,तिगड़ी, प्रेमनगर व घुसकानी) के अध्यक्ष परमजीत सिंह मड्डू ने कहा कि हरियाली बढाकर ही बिगड़ते पर्यावरण को संतुलित किया जा सकता है। चूंकि घटते वन बढ़ता प्रदूषण की वजह से पर्यावरण लगातार असंतुलित होता जा रहा है। उसी वजह से बेमौसम की बारिश, आंधी व तूफान आ रहे है। उन्होंने वहां पर मौजूद लोगों से परिजनों के प्रत्येक सदस्य के जन्मदिन पर एक एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। साथ ही पौधा लगाकर कम से कम एक साल तक उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। तभी पौधा पेड़ बन सकता है। केवल पौधे लगाने से ही हरियाली नहीं बढती,बल्कि उनकी देखभाल के बाद ही हरियाली बढेगी। राजेश प्रधान,डॉ. रामपाल, कमेटी प्रधान मैनपाल व शैली जेलदार ने संयुक्त रूप से बताया कि बाबा छोरे वाला का दो अगस्त भंडारा तथा तीन अगस्त को मेले का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जिनमें रागनी कम्पीटीशन व सांग का भी आयोजन होगा।

पुण्यतिथि पर पौधे बांटकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भिवानी। सोमवार को हरियाणा जागृति मोर्चा के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष राजेश सिंधू के पिता स्व. प्रताप सिंह सिंधू की 13 वीं पुण्य तिथि पर कार्यक्रम आयोजित करके उनको श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को हरियाली बढाने के लिए पौधे वितरित किए गए। साथ ही समाज हित में बेहतरीन कार्य करने वाले लोगों को प्रशंसा पत्र व गमच्छा देकर सम्मानित किया। उसके मोर्चा के सदस्य डॉ. बीआर अम्बेडकर संस्कृति प्राथमिक पाठशाला में पहुंचकर बच्चों का मुंह मीठा करवाया। साथ ही बच्चों को भी पौधे वितरित किए गए। नगरपालिका की पार्षद कविता व मोर्चा संरक्षक रामकिशन काजल ने संयुक्त रूप से कहा कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। हर व्यक्ति को अपने जन्मदिन तथा अपने पूर्वजों की पुण्यतिथि पर एक एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। ताकि हरियाली को बढाया जा सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हरियाली का दायरा घटता जा रहा है। जिस वजह से प्राकृतिक आपदाए आ रही है। ज्यादा पौधे लगाकर ही पर्यावरण को संतुलित किया जा सकता है। इस मौके पर पूर्व बीडीसी मेम्बर कृष्णा खरेटी, गिना गौरिया, पूर्व पार्षद मीना चौपड़ा, सतबीर मेंहदिया, कर्मबीर अलखपुरा, मुन्नी, बाला, नीता, रानी, रवि चौपड़ा व राजेश सिंधू आदि मौजूद थे।

न्यूज डायरी

दौड़ लगाकर दी शहीदों को श्रद्धांजलि

भिवानी। कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में द्वारका स्थित वेगास मॉल में हुई 5वीं कारगिल विजय दिवस हाफ मैराथन में देशभर से आए धावकों ने बड़े उत्साह और देशभक्ति के जज्बे के साथ भाग लिया। हाफ मैराथन के जरिए धावकों ने दौड़ लगाकर कारगिल युद्ध के अमर बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मैराथन में भिवानी का प्रतिनिधित्व करते हुए सेक्टर-23 निवासी पूर्व सैनिक श्रीपाल यादव तथा सेक्टर-13 निवासी शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त रमेश श्योराण ने विशेष रूप से सहभागिता दर्ज करवाई। दोनों खिलाड़ियों ने दौड़ पूरी कर ना केवल शहीदों को नमन किया, बल्कि युवाओं को फिटनेस, अनुशासन और देशप्रेम का सशक्त संदेश भी दिया।

जेसीआई स्टार की जनरल बॉडी मीटिंग संपन्न

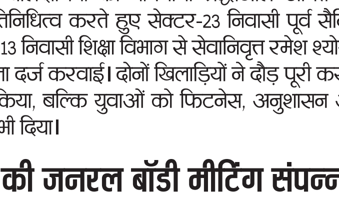

भिवानी। जेसीआई भिवानी स्टार की निजी रेस्तरां में जनरल बॉडी मीटिंग हुई। बैठक का मुख्य आकर्षण जोन वाईस प्रेजीडेंट जेसी राहुल गर्ग की संस्था में दूसरी आधिकारिक यात्रा रही। बैठक के दौरान संस्था द्वारा अब तक किए सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की समीक्षा की तथा आगामी महीनों में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सामाजिक व शैक्षणिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। गर्ग ने कहा कि जेसीआई भिवानी स्टार जोन-10 में लगातार उत्कृष्ट और प्रेरणादायी कार्य कर रही है।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 तक

चरखी दादरी। उपायुक्त एवं जिला बाल संरक्षण इकाई की अध्यक्ष मनदीप कौर ने बताया कि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इस वर्ष विभिन्न श्रेणियों में कुल 25 बच्चों का चयन किया जाएगा। जिले के पात्र बच्चे, अभिभावक, शिक्षण संस्थान तथा संबंधित संस्था समय रहते इन पुरस्कारों के लिए योग्य बच्चों के नामांकन अवश्य करवाएं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत बहादुरी, खेलकूद, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सम्मानित किया जाएगा

स्वच्छता अभियान को बनाया जा सकता है सफल

भिवानी। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सोमवार को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला परिषद के डिप्टी सीईओ रविन्द्र दलाल, डीडीपीओ सोमबीर कादयान भी उपस्थित रहे। एडीसी ने पंचायतों में ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्रामों के निर्माण के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को मजबूत करने को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जरूरी निर्देश दिए। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि ग्राम स्तर पर जनभागीदारी एवं नियमित निगरानी से स्वच्छता अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल शासन-प्रशासन की ही नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने चयनित 36 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो...

गुरु वंदन कला केंद्र का प्रथम वार्षिकोत्सव का हुआ समापन

भिवानी। शहर के जाने-माने कत्थक गुरू दम्पति विपिन शर्मा व तान्या शर्मा द्वारा संचालित गुरु वंदन कला केंद्र का प्रथम वार्षिक महोत्सव रविवार को सांस्कृतिक सदन में सम्पन्न हुआ। आज के समय में युवाशक्ति फूहड़ता भरे गानों पर रील बना रहे हैं, वहीं कला केंद्र में बच्चों ने शास्त्रीय और उपशास्त्रीय नृत्य सीख कर महोत्सव की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के मुख्यतिथि डॉ. धर्मवीर ढिल्लों, विशिष्ट अतिथि डॉ. वीके चुघ रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से जयपुर घराना से जयकुमार जावड़ा (कत्थक गुरू), सांवरमल (हारमोनियम), परमेश्वर लाल (तबला) व दयाम अली (सारंगी) ने कार्यक्रम को एक सूत्र में बांधे रखा। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसमें कला केंद्र के छोटे बच्चों ने मन मोहने वाली प्रस्तुति दी। तत्पश्चात चार कत्थक नृत्य की प्रस्तुतियां बच्चों ने दी और दर्शकों को बार बार तालियां बजाने को बाध्य किया। बच्चों ने एक प्रस्तुति उप शास्त्रीय नृत्य की भी दी। जयपुर घराना से जयकुमार जावड़ा ने कत्थक के थोड़े, टुकड़े आदि से शुरुआत करके अंत में मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो प्रस्तुत करके दिखा दिया कि गुरू क्या होते हैं। जयपुर घराना से ही सांवरमल कत्थक ने अपनी गायन प्रस्तुति केसरिया बालम से सभी का मनमोह लिया। अंतिम प्रस्तुति दृष्टिका बच्ची की रही। मुख्यतिथि डॉ. धर्मवीर ढिल्लो ने कहा कि भिवानी के बच्चों का शास्त्रीय नृत्य बहुत ही सराहनीय हैं। विपिन व तान्या ने बच्चों को नृत्य में पारंगत करना ही अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया है। डॉ. शिवकांत ने आए हुए सभी लोगों से आग्रह किया कि अपने बच्चों को ऐसे ही गुरू की संगत में रखें और इन दोनों पति-पत्नी का हौंसला बढ़ाएं।

संवाद कार्यक्रम में संगठन के विस्तार व राजनीतिक भागीदारी पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

चरखी दादरी। मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा की ओर से संगठन के विस्तार, सक्रियता बढ़ाने तथा आपसी समन्वय और संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से स्थानीय अग्रसेन धर्मशाला में संगठन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चरखी दादरी, भिवानी और महेंद्रगढ़ जिलों के प्रदेश, जिला, विधानसभा, मुख्य प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ और युवा प्रकोष्ठ के करीब 200 पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला मुख्य अतिथि रहे, जबकि कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष विनोद सिंगला (कैथल), प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चरखी दादरी जिला प्रभारी अमरनाथ गुप्ता (पानीपत) तथा सह प्रभारी हरिओम मित्तल भाली विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठन की कार्यशैली, भविष्य की योजनाओं, सदस्यता अभियान, सामाजिक गतिविधियों और राजनीतिक भागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने संगठन को गांव स्तर तक मजबूत करने, युवा पीढ़ी को जोड़ने, डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग करने तथा नियमित सामाजिक गतिविधियों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

ये रहे मौजूद

सुरेश पांडवानिया, सुरेश ऐरण, नरेश केडिया, संदीप नुनीवाला, विनोद जैन, राजेश, कैलाश, रेखराज, बिसम्भर, पवन, विनोद गर्ग, संजय गर्ग, श्रवण गुप्ता, अनुराग, गणेश गोयल, मुकेश, संदीप, ललित कानेजर, विजय, हरिराम बबलू, नरेश, पवन दिल्लीवान, देवेंद्र गोयल, सोनू गर्ग, कृष्ण, शुभम, राकेश, संतोष जैन, अर्चना अग्रवाल, सावित्री गर्ग, अर्चना गुप्ता, गीता मित्तल, राजदुलारी, मंजू, सरोज, निशा सिंगल रहे।

गांव पैंतावास खुर्द में एक पौधा शहीद के नाम कार्यक्रम में रोपित किए दर्जनों पौधें

चरखी दादरी। अमर शहीदों के बलिदान को नमन करने और पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम पैंतावास खुर्द में एक विशेष एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया। पर्यावरण प्रेमी त्रिवेणी बाबा के सान्निध्य और पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा के नेतृत्व में एक पौधा शहीद के नाम अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया। यह हरित आयोजन कांता आहुजा एवं सुदर्शन आहुजा की सुपुत्री बिंदु आहूजा के विशेष सौजन्य से संपन्न हुआ। इस दौरान गांव पैंतावास खुर्द स्थित मंदिर प्रांगण में कदम, जामुन, शीशम सहित दर्जनों छायादार व फलदार पौधे रोपे गए। पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों का कर्ज हम कभी नहीं चुका सकते। एक पौधा शहीद के नाम लगाकर हम न केवल अपने अमर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि दे रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण भी तैयार कर रहे हैं। पौधरोपण ही प्रकृति एवं राष्ट्र के प्रति हमारी सच्ची सेवा है। गांव के प्रबुद्ध नागरिकों और युवाओं ने संकल्प लिया कि रोपे गए प्रत्येक पौधे की नियमित सिंचाई, खाद और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा, जब तक वे बड़े होकर छायादार वृक्ष न बन जाएं। मंदिर परिसर में वातावरण को शुद्ध करने वाले और औषधीय गुणों से भरपूर कदम, जामुन, नीम और शीशम के पौधे लगाए गए। बिंदु आहूजा के सहयोग और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से आयोजन ने गांव में पर्यावरण संरक्षण की एक नई लहर पैदा की।

माय युवा भारत पोर्टल से जुड़ें अधिक से अधिक युवा

चरखी दादरी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत जिले के मेरा युवा भारत केंद्र द्वारा सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला सलाहकार समिति एवं जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। एसडीएम डॉ. विरेन्द्र सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी विष्णु भगवान, रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह, जनता कॉलेज से रोशनलाल, आईटीआई रावलधी से राजेंद्र दहिया और जिला युवा अधिकारी मनसा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों, यूथ क्लबों तथा स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम डॉ. विरेंद्र सिंह ने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को मेरा युवा भारत पोर्टल से जोड़ना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। पोर्टल के माध्यम से युवाओं को समाज और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। विभिन्न सरकारी विभागों, संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जब भी स्वयंसेवकों या युवा प्रतिभागियों की आवश्यकता होगी, तब माय युवा भारत से जुड़े युवा प्रभावी सहयोग प्रदान कर सकेंगे। इसी दृष्टि से युवाओं को जनहित कार्यक्रमों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। जिला युवा अधिकारी मनसा ने कहा कि युवा माय युवा भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण कर सकता है।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा युवाओं की जीत: गोठड़ा

लोहारू। कांग्रेस पार्टी के ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष करण सिंह गोठड़ा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश के युवाओं के संघर्ष की जीत बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर युवाओं ने जिस तरह लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद की, उससे यह स्पष्ट हो गया कि देश का युवा जागरूक है और अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़ा होना जानता है। करण सिंह गोठड़ा ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री को नैतिकता के आधार पर स्वयं ही इस्तीफा दे देना चाहिए था। उनका कहना था कि जब देश का युवा जागता है तो परिवर्तन निश्चित होता है। शिक्षा व्यवस्था को बचाने और छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए हुए आंदोलन ने पूरे देश को एक नया संदेश दिया है।

अनुष्ठान | कुंगड़िया मंदिर में श्रद्धा व भक्ति के साथ हुई भागवत कथा व पांच दिवसीय अखंड महायज्ञ

भगवान की कथा मानव को दिखाती है सदाचार का मार्ग : मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भिवानी। कथा के बाद हवन करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

कुंगड़िया मंदिर, लिबर्टी सिनेमा रोड, भिवानी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं पांच दिवसीय अखंड महायज्ञ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। महायज्ञ के दौरान विधि-विधान से यज्ञ में आहुति अर्पित कर विश्व शांति, राष्ट्र की उन्नति तथा जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर कथा व्यास आचार्य विनय मिश्रा ने श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान की कथा मानव जीवन को सदाचार, भक्ति और सेवा का मार्ग दिखाती है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत का श्रवण करने से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है तथा भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा और विश्वास उत्पन्न होता है। डॉ विनय मिश्रा ने कहा कि यज्ञ और भागवत कथा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। यज्ञ से वातावरण की शुद्धि होती है, जबकि भागवत कथा से मन और आत्मा का परिष्कार होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपने जीवन में धर्म, सत्य, सेवा और संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया। कथा के दौरान भजनों एवं आध्यात्मिक प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया तथा महायज्ञ में आहुति देकर पुण्य अर्जित किया। इस अवसर पर डॉक्टर अखिल शर्मा, डॉक्टर विधि शर्मा, शिक्षाविद राजेंद्र शर्मा,पंडित मातुराम हलवासिया, चंद्रमणि अरोड़ा, दरबान जांगड़ा,राजेश असीजा, प्रकाश शर्मा,इन्द्राज,नरेश कुमार, जितेंद्र खरक,जितेंद्र हांडा, राकेश लोहानी, विनोद मिश्रा, सौरभ मिश्रा,ऊषा देवी, सविता, पूनम शर्मा आदि भक्त उपस्थित रहे।

डेरा बाबा रामरूप में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं को किया भाव-विभोर

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के डेरा बाबा रामरूप में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथा वाचक पंडित विजय भारद्वाज ने भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के दिव्य विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा सुनकर श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए और पूरा पंडाल जय श्रीकृष्ण तथा राधे-राधे के जयघोष से गूंज उठा। कथा वाचक पंडित विजय भारद्वाज ने कहा कि माता रुक्मिणी का भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण प्रत्येक भक्त के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बताया कि सच्चे मन से प्रभु की भक्ति करने वाले भक्त की पुकार भगवान अवश्य सुनते हैं। रुक्मिणी द्वारा भेजे गए संदेश और भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उनका हरण कर विवाह करने का प्रसंग धर्म, सत्य और सच्चे प्रेम की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह हमें यह संदेश देता है कि ईश्वर अपने भक्तों की रक्षा के लिए हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहते हैं।

सूचना

मैं, बाबू लाल पुत्र श्री रामजस निवासी गांव समसावास तहसील लोहारू जिला भिवानी, हरियाणा बयान करता हूं कि मैंने 05-10-2024 को अपने पुत्र नरसिम्हा व पुत्रवधु पूजा कुमारी वर्मा को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था। लेकिन अब वे दोनों मेरे कहने-सुनने में हैं। इसलिये मैं अब उस बेदखली को रद्द करवाना चाहता हूं और अब इन दोनों को अपनी चल-अचल सम्पत्ति में हिस्सेदार करना चाहता हूं।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को कैरियर निर्माण के दिए टिप्स

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय भिवानी द्वारा व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला रोजगार अधिकारी दिनेश तथा सहायक रोजगार अधिकारी दीपक शर्मा ने विद्यार्थियों एवं रोजगार के इच्छुक युवाओं को करियर निर्माण, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यक्तित्व विकास तथा स्वरोजगार के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि स्कूल शिक्षा के दौरान ही अपना लक्ष्य निर्धारित करें और अपनी रुचि व क्षमता के अनुसार भविष्य की दिशा तय करें।

29 को मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

भिवानी। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गांव हालुवास स्थित साईं बाबा मंदिर साई धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन 29 जुलाई को बड़ी श्रद्धा और धूमधाम के साथ किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और पूरे मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया जा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए प्रधान संजय कामरा ने बताया कि गुरु पूर्णिमा का दिन साईं भक्तों के लिए बेहद विशेष और भक्तिमय होता है। उन्होंने कहा कि साईं धाम हालुवास में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। इस अवसर पर प्रातः काल से लेकर देर रात तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

स्वास्थ्य जांच शिविर 28 से पंचायत भवन में

भिवानी। हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के निर्देशानुसार स्थानीय पंचायत भवन में 28 से 30 जुलाई तक जिले के सभी सफाई कर्मचारियों के लिए विशेष जिला स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। नगर परिषद, ग्राम पंचायतों, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच की जाएगी। डीसी साहिल गुप्ता ने विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत सफाई से संबंधित कर्मचारियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे 28 से 30 जुलाई तक आयोजित होने वाले जिला स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर स्वास्थ्य की जांच करवाएं।

भिवानी में गोभक्तों ने निकाली गो सम्मान यात्रा, गो हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग

गो माता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने के लिए छोटी कांशी में दिखी एकजुटता

- गो सम्मान यात्रा में मुस्लिम समाज के लोगों के अलावा विभिन्न संगठनों ने दिखाई भागीदारी, 5 लाख 3 हजार गो भक्तों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। शहर में पदयात्रा निकालते संत महात्मा व गो सेवक व अन्य और पदयात्रा शुरू करने से पहले एकत्रित गो सेवक व शहर के गणमान्य लोग।

शहर में सोमवार का दिन इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। गौ सम्मान अभियान के तहत पूरा शहर एक ही गूंज के साथ जाग उठा तथा पुरजोर तरीके से गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंद्ध तथा गाय को राष्ट्रमाता का सम्मान दिए जाने की मांग उठाई। स्थानीय प्रेक्षा विहार से शुरू हुई विशाल गौ सम्मान यात्रा मात्र एक जुलूस नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रतीक थी। यात्रा की शुरुआत डीजे की धुन पर गौ भक्ति गीतों और देशभक्ति के तरानों से हुई। इसके ठीक पीछे गाय और बछड़े चल रहे थे, जिन्हें फूलों की वर्षा और आरती के साथ विभिन्न स्थानों पर सम्मान दिया गया। श्रीमहंत डा. अशोक गिरी, चरणदास, महंत विकास गिरी बहल, बालयोगी महंत मोहन पुरी, त्रिवेणी गिरी, बाबा केदारनाथ, बाबा रूपनाथ, बाबा शिव गिरी के सान्निध्य में यह यात्रा धार्मिक और आध्यात्मिक गरिमा से परिपूर्ण थी। संतों के पीछे जनसैलाब में युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सभी समान उत्साह के साथ शामिल हुए। इस यात्रा की विशेष बात यह रही कि इसमें मुस्लिम समुदाय से भी भारी तादात में लोग शामिल रहे। यात्रा जब चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल के सामने पहुंची तो बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्रित होकर मैडिकल एसोसिएशन ने सबसे पहले यात्रा का स्वागत फूलों की मालाओं से किया तथा ने गौभक्तों को पेयजल पिलाकर सेवा की। इसके उपरांत घंटाघर यूनियन, हांसी गेट यूनियन और इंप्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट यूनियन, पुराना बस स्टैंड पर दुकानदारों, टैक्सी यूनियन, यूनाईटेड इंश्योरेंस के कर्मचारियों ने रैडक्रॉस भवन के सामने यात्रा का फूल बरसाकर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा के समापन पर गौभक्तों ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मुस्लिम समाज के जिला प्रधान जोरावर अली, भागीरथ शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश सैनी, ओमप्रकाश सैनी, मोनू भगत सिंह व पहलवान बिजेंद्र सिंह ने कहा कि हम युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और जड़ों से दूर नहीं हैं।

गो माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

चरखी दादरी। देशभर में चल रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार को बजरंग दल एवं गौरक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने जिला संयोजक अमित गोपालवास की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय पर एकत्रित होकर गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई। इस दौरान गौरक्षकों और सनातन धर्म के अनुयायियों ने उपायुक्त कार्यालय के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि सनातन संस्कृति की प्रतीक गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित किया जाए। इस अवसर पर दुष्यंत मंदौली, आशीष, नरेश, कपिल, दीपक बलाली, सतीश, अमित नौरंगाबास, सुरेंद्र, प्रिंस, चांद इमलोटा, रोहित कन्हेटी, मोहित, गौतम, मनीष, अंकित, अनिल कुमार, ओमबीर, संदीप कुमार सहित बजरंग दल के अनेक पदाधिकारी व गौभक्त मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

पोस्टर मेकिंग में हिंडोल पहले स्थान पर

चरखी दादरी। खंड स्तरीय निबंध, स्लोगन,पोस्टर कार्टून व वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिसरी में आयोजित हुई। जिसने खंड के दो सौ से अधिक बच्चों ने भाग लिया यह प्रतियोगिता 6-8 व 9-12 दो वर्गों में आयोजित हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल प्राचार्य ओम सिंह के अभिभाषण द्वारा हुआ। प्रतियोगिता का परिणाम टीजीटी अध्यापिका सरस्वती द्वारा घोषित किया गया जो कि इस प्रकार रहा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता वर्ग 6-8 में पहला स्थान रा.उ.वि. हिंडोल, दूसरा स्थान रा.उ.वि सौंफ कासनी व तीसरा स्थान रावमांवि सांकरोड वर्ग 9-12 में पहला स्थान रा.क.उ.वि सांजरवास , दूसरा स्थान रा.क.उ.वि मिसरी व तीसरा स्थान रावमांवि सांकरोड ने प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में वर्ग 6-8 में पहला स्थान रा.उ.वि सौंफ कासनी , दूसरा स्थान राकमांवि सांजरवास व तीसरा स्थान रावमांवि सांकरोड ने प्राप्त किया। कार्टून मेकिंग प्रतियोगिता में पहला स्थान रावमांवि मिसरी, दूसरा स्थान रावमांवि सांकरोड व तीसरा स्थान राकमांवि सांजरवास ने प्राप्त किया। निर्णायक मडल में शामिल टीजीटी अध्यापिका कविता यादव व सुनीता द्वारा विजेता बच्चों को बधाई दी गई । वादविवाद प्रतियोगिता में पहला स्थान राकउवि. सांजरवास , दूसरा स्थान राकवमांवि भागवी, व तीसरा स्थान रा.उ.वि सौंफ कासनी ने प्राप्त किया वर्ग 9-12 में पहला स्थान पीएम श्री स्कूल बोंदकलां दूसरा स्थान मॉडल संस्कृति स्कूल सॉवड व तीसरा स्थान रा.उ.वि. हिंडोल ने प्राप्त किया।

डॉ. कलाम को दी श्रद्धांजलि

भिवानी। देश के महान वैज्ञानिक, भारत के मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की आज पुण्यतिथि मनाई,आज पूरा राष्ट्र उनका स्मरण और नमन कर रहा है। महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर भाजपाइयों ने पौधरोपण किया एवं उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए, उक्त विचार भाजपा नेता रीतिक वधवा ने पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक, भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए व्यक्त किए। रीतिक ने कहा कि 'मिसाइल मैन' डॉ. कलाम विकसित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के दूरदर्शी स्वप्न दृष्टा थे। स्वदेशी मिसाइल एवं अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान भारतीय विज्ञान के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।

डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर नमन

चरखी दादरी। गांव बिरोहड़ स्थित एचडी पब्लिक स्कूल में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक एवं मिसाइल मैन भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। विद्यालय के निदेशक बलराज फौगाट ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम केवल एक महान वैज्ञानिक ही नहीं, देश के करोड़ों युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने अपने जीवन से यह साबित किया कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से डॉ. कलाम के प्रसिद्ध विचार, सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। विद्यालय की प्राचार्या नमिता दास ने कहा कि डॉ. कलाम का संपूर्ण जीवन सादगी, राष्ट्रभक्ति, वैज्ञानिक सोच और शिक्षा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर ज्ञान, चरित्र और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

नवभारत विद्यालय में विजेता सम्मानित

तोशाम। नवभारत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिडौला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें खंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता के कब्बडी में दूसरे स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र चहल ने किया। सुरेंद्र चहल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय की आयुवर्ग 19 में दूसरे स्थान व 17 आयुवर्ग में तीसरी स्थान पर रही हैं। खिलाड़ी ने खेलों में अच्छा प्रर्दशन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। हर छात्र को खेलों में भाग लेना चाहिए। खेल शरीर के लिए बहुत जरूरी हैं। इस तरह की प्रतियोगिता में खिलाड़ी को अपना दमखम आजमाने का मौका मिलता है। जिससे खिलाडी का आत्मविश्वास बढ़ता है। मास्टर सुरेंद्र ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं में सभी छात्रों को भाग लेना चाहिए। सम्मान समारोह में खिलाड़ियों को मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर महिपाल सिंह, पवन, वरूण, कृष्ण, सुनील, नीतू, पूनम, पूजा व सुमन मौजूद थी।

ब्राह्मण जन कल्याण सेवा समिति की बैठक

भिवानी। सर्व ब्राह्मण 12 गांव जन कल्याण सेवा समिति की बैठक सोमवार को गांव खरककलां में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार कोच कलिंगा ने की। बैठक में समाज के कल्याण और संगठन के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गई। जिसमें पवन कुमार को वरिष्ठ उपप्रधान, पंडित रामराजी को वरिष्ठ उपप्रधान, सत्यनारायण शर्मा नौरंगाबाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समिति की आगामी सभी आधिकारिक कार्यवाही और प्रशासनिक कार्यों को संचालित करने का अधिकार सचिव कृष्ण कुमार बामला को सौंपा गया है। इस दौरान गांव खरककलां के ग्रामीणों ने समिति पदाधिकारियों को सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस बैठक में विभिन्न गांवों के गणमान्य एवं प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे, जिनमें सचिव कृष्ण कुमार बामला, जोगीराम बामला, रामनिवास बामला, मनीराम बामला, देवीदयाल बामला, सुखबीर बामला, अनिल नौरंगाबाद, सत्यनारायण, संजय गोरगावाड़, हरिओम शास्त्री कलिंगा, राजपाल, राजबीर, श्रीकृष्ण, मा. सतबीर रिवाड़ी खेड़ा, कर्मवीर रिवाड़ीखेड़ा, जितेन्द्र रिवाड़ीखेड़ा, रामचरण सिरसा घोगड़ा, सरपंच रमेश सीसर, हरज्ञान, सेवाराम सैय आदि मौजूद रहे।

पिकल बॉल टूर्नामेंट में तुषार व गौरव प्रथम

भिवानी की स्विंग एंड स्मैश स्पोर्ट्स एरीना में टूर्नामेंट का समापन

- पिकल बॉल टूर्नामेंट के सिंगल्स वर्ग में मनप्रीत प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

खेल नगरी भिवानी में पहली बार दो दिवसीय पिकलबॉल टूर्नामेंट का सफल समापन स्विंग एंड स्मैश भिवानी स्पोर्ट्स एरीना गवर्नमेंट आईटीआई के सामने में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को तेजी से लोकप्रिय हो रहे पिकलबॉल खेल से जोड़ना व जिले में खेल को नई पहचान दिलाना था। टूर्नामेंट में जिले भर की 31 टीमों के लगभग 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया और शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाडिय़ों ने खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रोफेसर जगविंद्र सिंह सांगवान ने मुख्यतिथि के रूप में किया। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं 21 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में डबल्स वर्ग में तुशार सहारण एवं गौरव प्रथम तथा मनप्रीत घणघस एवं विवेक द्वितीय रहे। इसी प्रकार सिंगल्स वर्ग में मनप्रीत घणघस प्रथम व हर्ष शर्मा द्वितीय रहे। मुख्यतिथि प्रोफेसर जगविंद्र सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाते हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। आयोजकों ने बताया कि भिवानी में पिकलबॉल की सुविधाओं के अभाव के कारण खेल अभी तक अधिक लोकप्रिय नहीं हो पाया था। स्विंग एंड स्मैश भिवानी स्पोर्ट्स एरीना द्वारा आयोजित प्रथम टूर्नामेंट के बाद युवाओं में खेल के प्रति उत्साह और रुचि तेजी से बढ़ी है।

जनवादी महिला समिति ने आंदोलनकारी छात्रों की जीत पर दी बधाई

भिवानी। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने पेपर लीक, शिक्षा के व्यापारीकरण और छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष करने वाले देशभर के छात्र-युवाओं को बधाई दी है। समिति ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के लोकतांत्रिक, साहसी और लगातार चले संघर्ष की महत्वपूर्ण जीत है, हम सब जानते हैं कि पेपर लीक की निरंतर घटनाओं ने लाखों छात्रों का भविष्य किस प्रकार संकट में डाल दिया है। इन घटनाओं से उत्पन्न निराशा एवं मानसिक दबाव के कारण अनेक छात्र-छात्राओं ने अपनी जान गंवाई। इसके बावजूद केंद्र सरकार ने लंबे समय तक छात्रों की जायज मांगों को अनदेखा किया और आंदोलन को दबाने को लाठीचार्ज व दमनकारी कदम उठाए, लेकिन छात्रों व युवाओं ने लोकतांत्रिक ढंग से अपना संघर्ष जारी रखा और अंततः सरकार को झुकना पड़ा।

पॉक्सो एक्ट को लेकर किया जागरुक

भिवानी। बच्चों को सुरक्षित परिवेश प्रदान करने तथा उन्हें पॉक्सो एक्ट के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को स्थानीय टी.आई.टी. सीनियर सैकेंडरी स्कूल में पॉक्सो अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल अधिकारों के संरक्षण, बच्चों की सुरक्षा तथा कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों का संरक्षण समाज और प्रशासन की प्राथमिकता है। पॉक्सो कानून बच्चों को हर प्रकार के उत्पीडन व अपराध से सुरक्षा प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों में जागरूकता आती है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और समय पर न्याय दिलाने में मदद मिलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडब्ल्यूसी भिवानी के चेयरमैन अधिवक्ता प्रदीप सिंह तंवर द्वारा की गई। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बाल सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनी पहलुओं एवं पॉक्सो एक्ट की धाराओं की बारीकियों से अवगत कराया। जागरूकता कार्यक्रम का मंच संचालन चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण, अधिवक्ता देवेंद्र तंवर एवं सामाजिक कार्यकर्ता रिंकू द्वारा संयुक्त रूप से बहुत ही प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया।

नौ दिग्गज हस्तियां 'नवरत्न अवार्ड 2026' से सम्मानित

भिवानी। उत्तर भारत की सर्वाधिक प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थाओं में शामिल भिवानी परिवार मैत्री संघ (बीपीएमएस) की कीर्ति के स्वर्णिम मुकुट में 'सोशल कनेक्टिविटी' का एक और हीरा जड़ गया। इस बार का हीरा उन 'रत्नों' के नाम रहा जिन्होंने कड़ी मेहनत, विवेक और व्यावहारिक कौशल से अपनी जन्मस्थली की मिट्टी का तिलक देश- दुनिया के माथे पर अंकित किया। भिवानी परिवार मैत्री संघ ने आज भिवानी के नौ सफल व्यवसायियों को दिल्ली में आयोजित भव्य एवं विराट कार्यक्रम में 'नवरत्न अवार्ड 2026' से सम्मानित किया। सभी 'बिजनेस आइकंस' ने इस अवसर पर नई पीढ़ी को सफलता के सूत्र बताए। साथ ही धैर्य रखने, संस्कारों का पालन करने और माता-पिता, परिवार व समाज की संस्कृति का मान रखने की नसीहत भी दी। भिवानी परिवार मैत्री संघ के अध्यक्ष, ख्याति प्राप्त अंतरराष्ट्रीय कवि और ऑडियंस को घंटों मुग्ध रखने में दक्ष एंकर राजेश चेतन एवं वाणी में ओज-तेज के प्रतीक तथा बीपीएमएस के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रमोद शर्मा ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की एंकरिंग की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

स्वतंत्रता दिवस के लिए 8 को होगा सांस्कृतिक टीमों का चयन

चरखी दादरी। उपायुक्त मनदीप कौर ने जिले के सभी शिक्षण संस्थानों से अपील की है कि इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह पर आयोजित होने कार्यक्रम के लिए सांस्कृतिक टीमों के चयन की प्रक्रिया में ज्यादा से ज्यादा शिक्षण संस्थान शामिल हों। निर्णय लिया गया है कि इसके लिए किसी भी प्रकार के पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। कोई भी टीम सीधे चयन के स्थान पर पहुंच सकती है। इस काम के लिए गठित कमेटी 8 अगस्त को टीमों का चयन करेगी। उपायुक्त द्वारा बैठक ली गई थी और उसके बाद उपायुक्त की ओर से विस्तृत आदेश जारी किए गए हैं, जिसके अनुसार विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। परेड एवं सुरक्षा के लिए पुलिस, पीटी, डम्बल आदि के लिए डीईओ, स्टेज व सफाई व्यवस्था आदि नगर परिषद, शौचालय एवं पेयजल जन स्वास्थ्य विभाग, बिजली व्यवस्था डीएचबीवीएन और बस व्यवस्था की जिम्मेदारी परिवहन विभाग को सौंपी गई है।

कार्यक्रम चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में खेलों को मिल रहा भरपूर प्रोत्साहन

विद्यार्थियों और उनकी माताओं को वीर माता जीजाबाई के सम्मान से नवाजा

विवि खेलों को शिक्षा के साथ जोड़कर विद्यार्थियों को तराश रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में खेलों और खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है। विश्वविद्यालय के तेरहवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित `वीर माता जीजाबाई सम्मान समारोह में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ उनकी माताओं को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। श्री कृष्ण प्रणामी आश्रम के स्वामी डॉ सदानंद के परम सानिध्य में समारोह कीअध्यक्षता विश्वविद्यालय की `कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी ने की। कार्यक्रम में बतौर `मुख्य अतिथि सीआरएसयू जींद के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी उपस्थित रहे। कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी ने कहा कि विश्वविद्यालय खेलों को शिक्षा के साथ जोड़कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दे रहा है। खिलाड़ियों की सफलता के पीछे माताओं का त्याग और प्रेरणा सबसे बड़ी ताकत होती है, इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष की भांति उनकी भूमिका को सम्मान देकर वीर माता जीजाबाई सम्मान से नवाजा गया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा खेलों इंडिया,ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन करने वाले 40 खिलाड़ियों को 12.32 लाख की राशि पुरस्कार के रूप में वितरित कर सम्मानित किया गया है।

उन्होंने खेल निदेशक डॉ सुरेश मालिक सहित स्पोर्ट्स विभाग के सभी सदस्यों,प्रशिक्षकों , खिलाड़ियों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए उनकी सराहना की और भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में और अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

इन खिलाड़ियों को किया सम्मानित

खिलाड़ी कल्पना,राजीव कार्तिक दलाल,हर्ष,दक्ष,गुड्डी आशीष,निशा,रुचिका अंजलि,साक्षी सुपुत्री सुंदर, तमन्ना, कल्पना,स्वीटी,वर्षा, साक्षी सुपुत्री अमर चंद,पायल,दीपक, विकास,साहिल सुपुत्र रमेश, साहिल सुपुत्र राजेश,अन्नू , रजनीता,राहुल, अमित कुमार, हर्ष जांगड़ा,जानवी,खुशबू मुस्कान,वर्षा कुमारी, रितु को विश्वविद्यालय द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया गया।